भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

10.03.2021 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2591 का उत्तर

तालचेर-बिमलगढ़ नई रेल लाइन

2591. श्री महेश साहू:
श्री जुएल ओराम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के संज्ञान में तालचेर से बिमलगढ़ तक नई रेल लाइन के निर्माण की धीमी गति से हो रही प्रगति आई है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
(ख) क्या सरकार द्वारा इन कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएंगी;
(ग) यदि हां, तो अंगुल से सुकिंडा लूप लाइन के कार्य में कितनी प्रगति हुई है और इस कार्य को कब तक पूरा किए जाने की संभावना है; और
(घ) उक्त परियोजना के लिए स्वीकृत की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, वाणिज्य एवं उद्योग और
उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री
(श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

sk

तालचेर-बिमलगढ़ नई रेल लाइन के संबंध में दिनांक 10.03.2021 को लोक सभा में श्री महेश साहू और श्री जुएल ओराम के अतारांकित प्रश्न सं. 2591 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): रेलवे ने तालचेर-बिमलगढ़ (150) नई लाइन परियोजना का कार्य शुरू किया है। परियोजना की प्रत्याशित लागत 1928 करोड़ रु. है। अभी तक, 839 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इस परियोजना के लिए बजट 2020-21 में 140 करोड़ रु. का बजट परिव्यय मुहैया कराया गया है। अभी तक, परियोजना के 20 किमी लंबे तालचेर-सुनाखानी खंड का कार्य पूरा हो गया है। सुनाखानी स्टेशन, किमी 20.00 से किमी 43.50 तक 23.5 किमी लंबाई में आगे का कार्य शुरू कर दिया गया है। ओडिशा राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण और शेष 916 एकड़ भूमि को सौंपने के कार्य में तेजी लानी है।

किसी परियोजना का समय से पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, बाध्यकारी उपयोगिताओं का अंतरण, विभिन्न प्राधिकारियों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष साइट के लिए वर्ष में उपलब्ध कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना के निष्पादन-समय को प्रभावित करते हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि लागत में वृद्धि के बिना परियोजना को समय पर पूरा किया जाए, रेलवे में विभिन्न स्तरों (फील्ड स्तर, क्षेत्रीय स्तर और बोर्ड स्तर) पर काफी निगरानी की जाती है और परियोजनाओं की प्रगति में बाधा डालने वाले लंबित मुद्दों को हल करने के लिए राज्य सरकार और संबंधित प्राधिकरणों के अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें की जाती हैं।

sk

(ग) और (घ): अंगुल सुखिंदा (104 किमी) रेल परियोजना को भागीदारी मोड के तहत रेल मंत्रालय द्वारा छूट के तहत संयुक्त उद्यम कंपनी अंगुल सुखिंदा रेलवे लिमिटेड (एएसआरएल) द्वारा निष्पादित किया जा रहा है। परियोजना का कार्य प्रगति पर है और जून, 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

परियोजना को पीपीपी मोड के तहत निष्पादित किया जा रहा है और इसका वित्तपोषण संयुक्त उद्यम कंपनी अंगुल सुखिंदा रेलवे लिमिटेड की इक्विटी और ऋण से पूरा किया जा रहा है।

******

sk